बेरोजगारी के समाधान में नवाचार और उद्यमिता की अहम भूमिका

शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में रोजगार सृजन पर केंद्रित कार्यशाला

जगदलपुर। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर में मंगलवार को इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के अंतर्गत 'इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को नवाचार और उद्यमिता के महत्व से अवगत कराना तथा उन्हें स्वरोजगार और स्टार्टअप के लिए प्रेरित करना था।

कार्यशाला में उद्बोधन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि बेरोजगारी का एक प्रमुख कारण आवश्यक कौशल की कमी है। जिन युवाओं के पास कौशल है, उन्हें यह नहीं पता कि उसका सही उपयोग कैसे किया जाए। उन्होंने इस प्रकार की कार्यशालाओं को आवश्यक बताते हुए कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों की रचनात्मकता को विकसित करने में मदद करनी चाहिए ताकि वे स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकें। उन्होंने भारत की युवा वर्किंग पॉपुलेशन की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि ऐसी स्किल्स विकसित करना जरूरी है, जो रोजगार सृजन को बढ़ावा दे सके। विश्वविद्यालय का इन्क्यूबेशन सेंटर इसी दिशा में कार्य कर रहा है और छात्रों को मार्गदर्शन व संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें स्टार्टअप के लिए प्रेरित कर रहा है।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. नीरज वर्मा, व्याख्याता, जैव प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला, ने नवाचार और उद्यमिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नवाचार किसी भी कार्य या प्रक्रिया को बेहतर, तेज, सस्ता या अधिक प्रभावी बना सकता है। उन्होंने बताया कि नवाचार नए उत्पाद, नई तकनीक, उत्पादन विधियों के सुधार और मौजूदा संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग करने से संबंधित हो सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नवाचार उद्यमिता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो न केवल नई संपत्ति उत्पन्न करता है, बल्कि संसाधनों की क्षमता को भी बढ़ाता है।

श्री देवेन्द्र यादव, व्याख्याता, समाजशास्त्र अध्ययनशाला, ने बिज़नेस मॉडल कैनवास पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने समझाया कि बिज़नेस मॉडल कैनवास व्यवसाय की रूपरेखा तैयार करने का एक प्रभावी तरीका है, जिससे कोई भी व्यक्ति अपने व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट कर सकता है। उन्होंने स्टार्टअप के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे, लक्षित उपभोक्ता, मूल्य प्रस्ताव, राजस्व स्रोत और व्यय प्रबंधन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सही योजना और रणनीति के साथ कोई भी युवा आसानी से अपने स्टार्टअप की नींव रख सकता है।

इस अवसर पर प्रो. स्वपन कुमार कोले, डॉ. सुक्रिता तिर्की, डॉ. संजय कुमार डोंगरे सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं के प्राध्यापक और फैकल्टी सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यशाला के सफल आयोजन में आईआईसी के प्रेसीडेंट डॉ. संजीवन कुमार, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. तूलिका शर्मा, डॉ. रश्मि देवांगन, सह समन्वयक डॉ. प्रज्ञा गुप्ता, सुश्री पूजा ठाकुर, सुश्री नीलम और आईआईसी टीम के सदस्य डॉ. सुषमा सिंह, डॉ. शारदा, डॉ. दुर्गेश डिक्सेना सहित अन्य शिक्षकों का सक्रिय सहयोग रहा।

Programme Methodology
Lectures
Brain Stormin
Discussions
Lab Visit
Interaction with Successful Entrepreneurs
Case Studies
Assignment
GPS Map Camera
Dharmapur, Chhattisgarh, India
3xxp+jvx, Chitrakote Rd, Dharmapur, Chhattisgarh 494005, India
Lat 19.099093° Long 81.98719°
01/04/2025 12:22 PM GMT +05:30
Google